अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2022

परीक्षा का नाम : मध्यमा पूर्ण

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1 अ) सही पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ती करे। **(5)**

1. गजल अधिकांश ..... भाषा में गाई जाती है । (उर्दु, हिन्ही, संस्कृत)
2. होरी गायन ....गीत प्रकार है । (खयाल, ध्रुपद, धमार)
3. ठुमरी गायन..... शैली में आता है । (शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, लोक)
4. ध्रुपद गायन में.....तालों से संगति की जाती है ।
(तीनताल, सुलताल, चौताल)
5. छोटा ख्याल में..... लय बजाकर संगति की जाती है ।
(द्रुत, मध्य, विलंबीत)

ब) सही जोडीयाँ मिलाएँ । **(5)**

1. दिल्ली घराना	A) पं. राम सहाय
2. बनारस घराना	B) उस्ताद सिधार खाँ
3. लखनऊ घराना	C) उस्ताद आबिद हुसैन खाँ
4. अजराडा घराना	D) उस्ताद करामतुल्ला खाँ
5. फरुखाबाद घराना	E) उस्ताद हबीबुद्दीन खाँ

क) सही जवाब चुनकर लिखें । **(5)**

1. चौताल में.....मात्राएं है ।
अ) 10 ब) 12 क) 14
2. अवनद्ध वाद्य ..... हैं ।
अ) मंजीरा ब) कड्ताल क) मृदंगम

3. बेदम और दमदार ..... में आती है।
अ) पेशकार ब) रेला क) तिहाई

4. तीनताल की दुगुन ..... मात्राओं मे बनती है।
अ) 4 ब) 8 क) 16

5. इनमे से पखावज घराना..... है।
अ) अजराडा ब) कोलकाता क) नाथद्वारा

ड) उत्तर लिखिए। **(5)**

1. किस ताल की प्रथम मात्रा पर ताली और खाली के दो मत हैं ?
2. किस ताल की आरंभ में लगातार दो विभागों में तालियाँ आती हैं ?
3. किस ताल की आरंभ में लगातार तीनो विभागो मे तालियाँ आती हैं ?
4. किस गायन में पखावज की संगति होती है ?
5. किस शास्त्रीय नृत्य में तबले पर संगति की जाती है ?

प्र. 2 तबला/पखावज का इतिहास एवं वर्तमान समय तक परिवर्तन की जानकारी लिखें। **(20)**

प्र.3 पखावज/तबला घराना और बाज की परिभाषा और बाजों की तुलनात्मक व्याख्या लिखें। **(20)**

प्र. 4 किन्ही दो विषयों पर विस्तार से वर्णन लिखें। **(10X2 = 20)**

अ) पखावज/तबला की संगति गायन संदर्भ में।
ब) संगीत में ताल-लय का महत्व।
क) संगीत शिक्षा हेतु संगीत विद्यालय / गुरु शिष्य परंपरा

प्र. 5 सोदाहरण परिभाषा लिखें (कोई चार) **(4X5 = 20)**

परन, कायदा, गत कायदा, रेला, पडाल, चौपल्ली, पेशकार

प्र. 6 किन्ही चार गायन शैलियो की जानकारी लिख कर संगत में बजनेवाले ताल लिपिबध्द करें। **(4X5 = 20)**

धमार, खयाल, ठुमरी, तराना, भजन, ध्रुपद

प्र: 7 **निम्नलिखित लयकारी लिपिबध्द करें ।** **(4X5=20)**

(कोई चार)

अ) रूपक ताल 4 मात्रा मे (बिआड) (भातखण्डे लिपि में)

ब) बारह मात्रा की ताल 4 मात्रा में (पलुस्कर लिपि में)

स) दस मात्रा की ताल 8 मात्रा में ।

द) छह मात्रा की ताल 4 मात्रा में ।

क) चौदह मात्राकी ताल की चौगुण ।

ख) आठ मात्रा की ताल को 16 मात्रा में ।

ग) एकताल को 24 मात्राओं में ।